लोक सभा अध्यक्ष ने भारतीय राजस्व सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया

नई दिल्ली, 06 दिसंबर, 2021: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज संसद भवन परिसर में भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि हमारे देश में पारदर्शी और जिम्मेदार कर प्रशासन प्रणाली है । उन्होंने युवा अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि वे जवाबदेही और पारदर्शिता के माध्यम से इस व्यवस्था में लोगों का विश्वास बनाए रखें । श्री बिरला ने कहा कि कराधान प्रणाली का लक्ष्य कर स्लैब की संख्या को कम करना और अधिक करदाताओं को इस प्रणाली में लाना है ।

इस प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग पर बल देते हुए, श्री बिरला ने हाल ही में लागू की गई 'फेसलेस कराधान प्रणाली' की सराहना की और कहा कि इस तरह की पहलों से यह सुनिश्चित हुआ है कि ईमानदार करदाता बोझिल प्रक्रियाओं से अनावश्यक रूप से परेशान न हों। भारतीय राजस्व सेवा द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह सेवा देश की कराधान प्रणाली और उसके विकास का आधार है। उन्होंने यह भी कहा कि युवा अधिकारियों को समाज के सबसे कमजोर और निर्धन वर्गों के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को कराधान और वित्त के मामलों पर संसद में की गई चर्चा और वाद-विवाद की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह भी कहा कि संसद ग्रंथालय में सदन के सामूहिक ज्ञान का भंडार है।

लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया और लोक सभा सचिवालय में अपर सचिव, श्री प्रसेनजित सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।

ये अधिकारी अपने प्रशिक्षण के भाग के रूप में इस समय लोक सभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध और प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा संसदीय पद्धतियों और प्रक्रियाओं के बारे में आयोजित दो दिवसीय परिबोधन कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षु अधिकारी 74वें बैच के आईआरएस अधिकारी हैं। उद्घाटन सत्र में कुल 56 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया।